वि.वि में तीन दिवसीय वैज्ञानिक संगोष्ठी का वेटेरनरी कॉलेज जबलपुर में विभिन्न शैक्षणिक, अनुसंधान, विस्तार सहित आध्यात्मिक, पुनर्मिलन, खेलकूद, रंगारंग कार्यक्रमों का आयोजन

नानाजी देशमुख पशु चिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय में तीन दिवसीय वैज्ञानिक संगोष्ठी का आयोजन आजादी के अमृत महोत्सव के अवसर पर तथा वेटरनरी कॉलेज जबलपुर के प्लैटिनम जुबली कार्यक्रम पूरे 1 वर्ष तक मनाने जा रहा है जो कि दिनांक 8 जुलाई 2022 से प्रारंभ हो चुका है तथा 8 जुलाई 2023 तक चलेगा जिसके अंतर्गत वेटरनरी महाविद्यालय जबलपुर विभिन्न शैक्षणिक, अनुसंधान, विस्तार सहित आध्यात्मिक, पुनर्मिलन, खेलकूद, रंगारंग कार्यक्रमों के द्वारा हर्षोल्लास से मनाने हेतु संकल्पित है, जिससे महाविद्यालय के छात्र छात्राओं का सर्वांगीण विकास हो सके तथा विश्वविद्यालय अपने समाज के प्रति अपने को पशुपालकों के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभा सके। इसी तारतम्य में तीन दिवसीय सम्मेलन जोकि वेटरनरी कॉलेज के पशु मादा रोग एवं प्रसूति विज्ञान विभाग पशु चिकित्सा पशुपालन महाविद्यालय जबलपुर तथा इस्सार के संयुक्त तत्वाधान में 37 वा संगोष्ठी जैव प्रौद्योगिकी न्यूट्रास्यूटिकल्स और वैकल्पिक चिकित्सा की नई तकनीक के माध्यम से पशु प्रजनन को अनुकूलित करना (ऑप्टिमाइजिग एनिमल रीप्रोडक्शन रीसेंट टेक्निक ऑफ बायो टेक्नोलॉजी, न्यूट्रास्यूटिकल्स एंड अल्टरनेटिव मेडिसिन) विषय पर संगोष्ठी का शुभारंभ दिनांक 16/11/22 को महाविद्यालय के सभागृह में मुख्य अतिथि माननीय डॉ. ए.के. मिश्रा, पूर्व अध्यक्ष ए.एस.आर.बी., पूर्व कुलपति महाराष्ट्र पशु चिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय, पूर्व कुलपति जी.बी. पंत यूनिवर्सिटी ऑफ एग्रीकल्चर एंड टेक्नोलॉजी, विशिष्ट अतिथि डॉ. एम.एम. सिंह, आई.ए.एस. आंध्र प्रदेश सरकार तथा पूर्व कुलपति एस.वी.वी.यू. तिरुपति, वेटरनरी काउंसिल ऑफ इंडिया के अध्यक्ष डॉ. उमेश चंद्र शर्मा तथा कुलपति डॉ. सीता प्रसाद तिवारी जी की अध्यक्षता में किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मंचासीन माननीय कुलपति

डॉ. सीता प्रसाद तिवारी, अतिथि डॉक्टर ए.के. मिश्रा डॉक्टर एम.एम. सिंह ,डॉक्टर यूसी शर्मा, इस्सार सोसाइटी के अध्यक्ष डॉक्टर मूर्ति इस्सार सोसाइटी के संयोजक सचिव डॉक्टर चंदोलिया, पशु चिकित्सा एवं पशुपालन महाविद्यालय, जबलपुर के अधिष्ठाता डॉ. आर.के. शर्मा तथा इस संगोष्ठी के आयोजन सचिव डॉक्टर एस.एन. शुक्ला के द्वारा मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलन से प्रारंभ हुआ। तत्पश्चात मंचासीन अतिथियों का स्वागत पुष्पगुच्छ द्वारा किया गया तथा उनका सम्मान शॉल श्रीफल एवं स्मृति चिन्ह देकर किया गया। इस अवसर पर मंचासीन अतिथियों द्वारा स्मारिका तथा कमपेनडियम का विमोचन किया। आयोजन सचिव डॉक्टर सत्य निधि शुक्ला द्वारा संगोष्ठी के बारे में संक्षिप्त जानकारी देते हुए बताया इसार सोसायटी संगोष्ठी जबलपुर में पहली बार हो रही है। इसके पश्चात इसार सोसाइटी के जनरल सेक्रेटरी डॉक्टर चंदोलिया द्वारा

सोसाइटी के विषय में जानकारी देते हुए कहा की वैज्ञानिक ज्ञान बढ़ाने हेतु इस प्रकार की संगोष्ठी बहुत ही महत्वपूर्ण है। अपने उद्‌बोधन भाषण में इसार सोसाइटी के अध्यक्ष डॉक्टर मूर्ति ने अपने उद्‌बोधन भाषण में छात्र–छात्राओं शोधार्थियों आदि के लिए इस विषय पर वैज्ञानिक संगोष्ठी को अत्यंत लाभकारी और पशुपालकों तक विस्तार के माध्यम से इसका लाभ पहुंचाना महत्वपूर्ण बताया। अपने उद्‌बोधन भाषण वीसीआई अध्यक्ष डॉ. उमेश शर्मा ने वेटरनरी को अपने आप में एक बहुत ही नेक प्रोफेशन बताया तथा छात्रों को एक लक्ष्य लेकर चलने हेतु प्रेरित किया जिससे कि वह अंतिम छोर में बैठे पशुपालकों के हित में कार्य करें। कार्यक्रम के अध्यक्ष डॉ. सीता प्रसाद तिवारी ने अपने अध्यक्षीय भाषण में पशुओं में बांझपन की समस्या का निराकरण अच्छे पोषण आहार तथा नई तकनीक के माध्यम से दूर किए जाने की बात बताई और कहा कि इसी उद्देश्य से यह संगोष्ठी का आयोजन किया गया है जहां पर भारत में चल रहे अनुसंधान के कार्यों को वैज्ञानिक आपस में साझा करें तथा पशुपालकों के हित में इस दिशा में कार्य कर फर्टिलिटी तथा उत्पादन बढ़ाने में मदद मिले जिससे पशुपालक, प्रदेश तथा देश पशुधन की दिशा में अग्रणी हो पाए। अतिथि डॉ. एम.एम. सिंह पूर्व अतिरिक्त मुख्य सचिव आंध्र प्रदेश सरकार एवं पूर्व कुलपति एस.वी.वी.यू. तिरुपति, ने अपने उद्‌बोधन में कहा वैज्ञानिक दृष्टिकोण, अनुसंधान से ही पशुधन में सतत विकास संभव है। उद्‌बोधन भाषण में कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ. ए.के. मिश्रा ने कहा कि पशुधन से उत्पादन बढ़ाने के लिए खाद्य प्रबंधन उपयुक्त होना बहुत आवश्यक है, जिससे प्रजनन संबंधी समस्याओं से भी निपटा जा सकता है और यह संगोष्ठी निसंदेह हमारे पशुपालकों के हित के लिए कारगर सिद्ध होगी। इस तीन दिवसीय संगोष्ठी में कुल आठ तकनीकी सत्र रहेंगे। इस संगोष्ठी में देश के विभिन्न प्रदेशों से लगभग 500 से अधिक ख्याति

प्राप्त वैज्ञानिक, पशु चिकित्सक, शोधकर्ता, उन्नत डेयरी व्यवसायी, और शोध छात्र–छात्राओं द्वारा पशुओं में विभिन्न प्रकार के प्रजनन की समस्या पर अपने वैज्ञानिक ज्ञान को साझा करेंगे इंडियन सोसायटी फॉर स्टडी ऑफ एनिमल रीप्रोडक्शन (आई.एस.एस.ए.आर) 3500 से अधिक आजीवन पंजीकृत सदस्य हैं और यह देश के सबसे पुरानी और सबसे बड़ी वैज्ञानिक संस्थाओं में से एक है।

37 वार्षिक कन्वेंशन तथा राष्ट्रीय सम्मेलन में 8 श्रेणी के पुरस्कार दिए जाएंगे जिनमें एस्सार की फेलोशिप और सर्वश्रेष्ठ राज्य चौप्टर पुरस्कार, डॉक्टर सेलवराजू एसके शाहपुरा डॉ. मधु मीत सिंह डॉक्टर जे.के. प्रसाद डॉक्टर के वीरा ब्राह्मया, डॉ नापोलिंग डॉ पी.एस. बरार, डॉ. के. कृष्णा कुमार, डॉ. पलानीस्वामी सर्वश्रेष्ठ प्रकाशन के लिए प्रो नील्स लेगरलोफ मेमोरियल अवॉर्ड डॉ. जसवीर दलाल, डॉ. ए. जैरोमें, डॉ. एम.ए. प्रकाश, डॉ जीबी सिंह मेमोरियल यंग साइंटिस्ट अवॉर्ड डॉ. एम.वी. कृष्णिया, डॉ. के.इ. लेंगो, डॉ. एम. लावन्या। प्रसूति विज्ञान में डॉ. आर.डी. शर्मा स्मृति युवा वैज्ञानिक पुरस्कार अक्षय शर्मा, बीजी चौधरी, ऋषि पाल यादव क्लिनिकल रिसर्च में एनसी शर्मा मेमोरियल अवॉर्ड ज्ञान सिंह तथा ए.डी. पाटील को दिया गया। साथ ही पशुपालन महाविद्यालय के भूतपूर्व प्राध्यापकगणो को उनके वैज्ञानिक योगदान हेतु सम्मानित किया गया जिनमें डॉ. आर.जी. अग्रवाल, एसपी शुक्ला, डॉ.एस.के. जैन, डॉ. ओ.पी. श्रीवास्तव डॉ. एम.एस. ठाकुर, डॉ. वी.के. भट्ट, डॉ. नेमा शामिल हैं। कार्यक्रम के द्वितीय चरण में तकनीकी सत्र रहे। तथा शाम को तृतीय चरण में रंगारंग कार्यक्रम होंगे। संगोष्ठी के प्रथम दिवस प्रतिभागिगण, रशियन डिलिगेट, वि.वि. प्रबंधन मंडल के सदस्य में डॉ. सुधीर यादव, डॉ. एस.पी. शुक्ला, भूतपूर्व प्राध्यापक, विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ श्रीकांत जोशी, संचालक अनुसंधान डॉ. मधु स्वामी, डॉ सुनील नायक, एस.एस. तोमर, डॉ. लखानी, डॉ. अंजनी कुमार मिश्र, डॉ. जी. दास, डॉ. शोभा जावरे, डॉ. आदित्य मिश्रा, विभागो के विभागाध्यक्ष, समस्त प्राध्यापकगण, छात्र–छात्राओं की उपस्थिति उल्लेखनीय रही। कार्यक्रम का संचालन डॉ. अमिता तिवारी तथा आभार ज्ञापन अधिष्ठाता डॉ. आर.के. शर्मा द्वारा किया गया।

सूचना एवं जनसंपर्क अधिकारी
ना.दे.प.चि.वि.वि., जबलपुर